

गौरीघाट में सड़क किनारे दुकानों तक पहुंचा पानी, कई मंदिर जलमग्न

बरगी बांध के 13 गेट खुले

नर्मदा के घाटों पर बदला नजारा

जबलपुर। रानी अवंती बाई लोधी सागर परियोजना बरगी बांध में लगातार बढ़ते जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए गुरुवार दोपहर 12 बजे चार और नए गेट खोल दिए गए। 9 गेट पहले से ही खुले थे और अब इन गेटों की ऊंचाई भी बढ़ा दी गई है और पानी की निकासी भी बढ़ गई है। अब बांध के कुल 13 गेट औसतन 2.15 मीटर की ऊंचाई पर खुले हैं। इससे जल निकासी 1031 क्यूसेक से बढ़कर 3988 क्यूसेक हो गई है। बड़ी मात्रा में पानी छोड़े जाने के बाद नर्मदा के घाटों का नजारा पूरी तरह बदल गया है।बरगी बांध के गेट खुलने के साथ नर्मदा का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। गौरीघाट में पानी सड़क किनारे स्थित दुकानों तक पहुंच गया है, जबकि कई छोटे-बड़े मंदिर जलमग्न हो गए हैं। घाट क्षेत्र में पानी का तेज बहाव देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। पुलिस और प्रशासन की टीम लोगों को घाटों से दूर कर रही है तथा तटीय क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जा रही है।इसी तरह भेंडाघाट और तिलवारा घाट में भी नर्मदा का जलस्तर बढ़ने से घाटों का स्वरूप बदल गया है। कई हिस्सों में पानी सामान्य सीमा से काफी ऊपर पहुंच गया है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं और आम नागरिकों से नदी के किनारे नहीं जाने तथा जलमग्न वाले क्षेत्रों से दूरी बनाए रखने की अपील की है।गुरुवार सुबह 8 बजे बरगी जलाशय का जलस्तर 421.15 मीटर दर्ज किया गया था, जबकि कैचमेंट क्षेत्र से 1761 क्यूसेक पानी की आवक हो रही थी। पहले बांध के नौ गेट 0.78 मीटर की औसत ऊंचाई पर खुले थे। बढ़ती आवक और जलस्तर को देखते हुए अतिरिक्त गेट खोलने का निर्णय लिया गया।प्रशासन ने नर्मदा के निचले इलाकों और घाटों के आसपास रहने वाले लोगों को दस्तक रहने को कहा है। अचानक बढ़े जलप्रवाह को देखते हुए लोगों से अपील की गई है कि वे घाटों पर सैरपीठ लेने, स्नान करने या नदी के करीब जाने का जोखिम न उठाएं।



तिलवारा के पुराने पुल तक पहुंच सकता है पानी

बांध से बढ़ी जल निकासी का असर शाम तक नर्मदा के जलस्तर पर दिखाई देने की संभावना है। अनुमान है कि नदी का पानी 8 से 10 फीट तक ऊपर आ सकता है। तिलवारा के पुराने पुल के नीचे वर्तमान में पानी का स्तर पुल से करीब दो से तीन फीट नीचे है। जलस्तर में इसी तरह बढ़ोतरी होने पर शाम तक पुराना पुल जलमग्न हो सकता है।

आवक बढ़ी तो खुलेंगे चार और गेट

परियोजना के ऊपरी कैचमेंट क्षेत्र से पानी की आवक लगातार बनी रहती तो शाम तक बांध के चार और गेट खोले जा सकते हैं। इसके बाद नर्मदा में पानी का प्रवाह और बढ़ने की संभावना है। परियोजना प्रबंधन ने श्रद्धालुओं, नाविकों और आम नागरिकों से नदी घाटों और डूब क्षेत्र से दूर रहने की अपील की है। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए आपदा प्रबंधन दलों को भी सतर्क रखा गया है। कछरी गाँवों और नर्मदा के निचले इलाकों की लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि जलस्तर में अचानक वृद्धि होने पर समय रहते आवश्यक कदम उठाए जा सकें।

प्रथमदृष्टया मारपीट और धमकी के आरोप पुष्ट

जबलपुर। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शुभांगी पालो दत्त की अदालत ने धोखाधड़ी के मामले में परिवार पंजीबद्ध करने का आदेश दिया है। मामला दुकान के विक्रय सौदे में 10 लाख रुपये लेने के बाद कथित तौर पर किसी अन्य व्यक्ति से अनुबंध करने और रकम वापस मांगने पर मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का है।

कोर्ट ने मामले में गुलाब बजाज, नरेश बजाज और दैविक बजाज, निवासी हाथीताल के विरुद्ध परिवार दर्ज किया है।शिकायतकर्ता गुरुकुपा विहार, शारदा चौक, जबलपुर निवासी आशीष नेक्सन की ओर से पक्ष रखा गया। अदालत ने

दुकान सौदे के विवाद में तीन के खिलाफ परिवार दर्ज

शिकायतकर्ता और गवाह के कथनों का परीक्षण करने के बाद प्रथमदृष्टया पाया कि आरोपियों द्वारा शिकायतकर्ता का रास्ता रोकने, गाली-गालीज करने, लाठी व लात-धूसों से मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने के संबंध में साक्ष्य उपलब्ध है। इसी आधार पर संबंधित धाराओं में संज्ञान लिया गया। शिकायतकर्ता का आरोप था कि घटना के संबंध में गोरखपुरु थाने में शिकायत के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई और उसे न्यायालय जाने के लिए कहा गया। इससे पहले दुकान के सौदे की रकम वापस मांगने को लेकर भी विवाद सामने आया था। आरोपियों की ओर

से परिवार का विरोध करते हुए कहा गया कि कथित बिन्नी अनुबंध अपंजीकृत है और उस पर संबंधित पक्षों के हस्ताक्षर नहीं हैं। घटना से भी इनकार करते हुए परिवार को दबाव बनाने की कार्रवाई बताया गया। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलों और उपलब्ध दस्तावेजों का परीक्षण किया।

अदालत ने गुलाब बजाज, नरेश बजाज और दैविक बजाज के खिलाफ धारा 296, 115(2), 126(2), 351(2) तथा 3 (5) बीएनएस के तहत परिवार पंजीबद्ध किया है। अब प्रकरण आरोप-पूर्व साक्ष्य के लिए 28 सितंबर 2026 को पेश होगा।

चेक बाउंस के तीन मामलों में 12.50 लाख की वसूली, गिरफ्तारी वारंट जारी

जबलपुर। चेक बाउंस से जुड़े तीन मामलों में कुल 12 लाख 50 हजार रुपये की राशि की वसूली को लेकर जबलपुर जिला न्यायालय में कार्रवाई जारी है। मामलों में डिडोरी निवासी आकाश टैवलस से जुड़े संजय केशवानी और साधना केशवानी की न्यायालय में उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए हैं। वारंट की तामीली और गिरफ्तारी के लिए संबंधित डिडोरी पुलिस थाना को निर्देशित किया गया है। चेक अनादरित होने के बाद संबंधित परिवार न्यायालय में प्रस्तुत किए गए थे। एक प्रकरण में शोभना बिलैया ब्राम साधना केशवानी तथा दूसरे में संबंधित कारोबारी संस्थाओं और संजय केशवानी से जुड़ा मामला दर्ज है। दोनों मामलों में अगली सुनवाई आठ सितंबर, 2026 निर्धारित है।दलील दी गई कि कि केशवानी के विरुद्ध पूर्व में भी आर्थिक अपराध प्रकोट की कार्रवाई सामने आ चुकी है। डिडोरी में बस संचालन और टैक्स भुगतान से संबंधित शिकायतों पर वर्ष 2006 से 2025 की अवधि को लेकर ई-ओडब्ल्यू जबलपुर द्वारा जांच और प्रकरण दर्ज किए जाने की जानकारी सामने आई थी।

मल्टी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की दुकानों की होगी ई-नीलामी, स्टार्टअप और खेल सुविधाओं को मिलेगा बढ़ावा

जबलपुर। कलेक्टर एवं स्मार्ट सिटी चेयरमैन राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में जबलपुर स्मार्ट सिटी संचालक मंडल की बैठक आयोजित हुई। बैठक में संस्कृति, खेल, रोजगार, स्टार्टअप, डिजिटल सुविधाओं और प्रशासनिक दक्षता को बढ़ावा देने से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में नगर निगम आयुक्त एवं स्मार्ट सिटी कार्यकारी निदेशक राम प्रकाश अहिरवार, सीईओ देवेन्द्र सिंह चौहान सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि भंवरताल स्थित संस्कृति थिएटर अब आम नागरिकों एवं संस्थाओं को किफायती दर पर उपलब्ध होगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए थिएटर 10 हजार रुपए, चार घंटे के आयोजन के लिए 15 हजार रुपए तथा छह घंटे के लिए 25 हजार रुपए में उपलब्ध कराया जाएगा। इससे स्थानीय कलाकारों और प्रतिभाओं को मंच मिलने की उम्मीद है। मल्टी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स फेज-2 की दुकानों की पायदर्शी ई-टेंडरिंग के माध्यम से ऑनलाइन नीलामी की जाएगी। प्रथम चरण में छह दुकानों का आवंटन किया जाएगा। युवाओं में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए स्मार्ट सिटी इनक्यूबेशन

संस्कृति थिएटर अब 10 हजार रुपए में उपलब्ध स्मार्ट सिटी बोर्ड ने लिए कई अहम फैसले



सेंटर का संचालन अब स्मार्ट सिटी स्वयं करेगी। वहीं एनएमटी कॉफीडोर और डिजिटल लाइब्रेरी का संचालन नगर निगम को सौंपने का निर्णय लिया गया। रांशी स्थित एलएनआई स्कूल में विकसित मिनी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के संचालन के लिए टेंडर आमंत्रित किए जाएंगे। इससे क्षेत्रीय युवाओं और खेल प्रतिभाओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जबलपुर स्मार्ट सिटी अब संभाग के अन्य नगरीय निकायों एवं शासकीय विभागों को कंसल्टेंसी सेवाएं,

डीपीआर तैयार करने, टेंडर प्रक्रिया एवं सुपरविजन जैसी तकनीकी सेवाएं उपलब्ध कराएंगी। इससे स्मार्ट सिटी तकनीकी सहयोग का केंद्र बनने के साथ अपनी आय भी बढ़ा सकेगी। बैठक में स्वतंत्र निदेशक एवं महापौर प्रतिनिधि श्रीमती डिंपल टांक, संयुक्त संचालक नगर तथा ग्राम निवेश जयवर्धन सिंह, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। स्वतंत्र निदेशक शिवानंद स्वामी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

बस स्टैंड, तीन पत्ती, मालवीय चौक और सिविक सेंटर में चला अभियान

जबलपुर। शहर की स्वच्छता और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने नगर निगम की कार्रवाई लगातार जारी है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग एवं अतिक्रमण विभाग की संयुक्त टीम ने संभाग क्रमांक 13 के प्रमुख बाजारों और व्यस्त क्षेत्रों में सघन निरीक्षण कर कार्रवाई की।

अभियान के तहत बस स्टैंड, तीन पत्ती चौक, मालवीय चौक और सिविक सेंटर क्षेत्र में फुटपाथों एवं मुख्य मार्गों से अतिक्रमण हटाया गया। सड़क किनारे गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों एवं व्यापारियों के खिलाफ मौके पर 20 चालान काटकर 12 हजार रुपए का स्यांट फाइन लगाया गया। साथ ही अतिक्रमण सामग्री को जब्त की कार्रवाई भी की गई। कार्रवाई के दौरान



तो आलमारी में रखे जेवर सोने का 1 हार, 1 जोड़ी झाला, 1 जोड़ी टाप्स, 1 जोड़ी झुमकी, 2 अंगूठी, ले जाकर अक्षत नामदेव को दे दी एवं किसी को नहीं बताया। बेटी के बताए अनुसार मोहित तिवारी ने पुलिस को बताया कि अक्षत नामदेव ने उसकी बेटी को पिता की हत्या करने व मां पर तेजाब फेंकने के भय में डालकर सोने के जेवर लेकर चला गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 308(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

बहन के साथ कोचिंग में पढ़ती हो। जो बोल रहा हूं, वैसा करो, तुम्हारे घर में जितना सोना है, वह पूरा लाकर दो। अगर नहीं दिया तो तुम्हारे पिता, जो मेहता पेट्रोल पम्प के पास पेट्रोल भरवाने आते हैं उन्हें मार दूंगा तथा तुम्हारी मां के चेहरे पर तेजाब डाल दूंगा। इसी धमकी से डर के कारण उसने घर में नहीं बताया। 11 अगस्त को शाम लगभग 6 बजे चौबे किराना के पास आलमारी से उसमें रखा एक सोने का हार, 1 जोड़ी झाला, 1 जोड़ी टाप्स, 1 जोड़ी झुमकी, 2 अंगूठी, ले जाकर अक्षत नामदेव को दे दी एवं किसी को नहीं बताया। बेटी के बताए अनुसार मोहित तिवारी ने पुलिस को बताया कि अक्षत नामदेव ने उसकी बेटी को पिता की हत्या करने व मां पर तेजाब फेंकने के भय में डालकर सोने के जेवर लेकर चला गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 308(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

गंदगी और अतिक्रमण पर निगम की कार्रवाई 20 चालान से वसूला 12 हजार का जुर्माना



दौरान अतिक्रमण प्रभारी कृष्णकांत रावत, अखिलेश भदौरिया, दीपेंद्र रावत, किशन दुबे, अभिषेक विश्वारी, अतिक्रमण दल प्रभारी जे. प्रवीण, दुर्गा सहित स्थानीय पुलिस प्रशासन मौजूद रहा। निगम प्रशासन ने दुकानदारी

एवं शहरवासियों से सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर कचरा नहीं फैलाने तथा फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त रखने की अपील की है, ताकि शहर की स्वच्छता के साथ यातायात व्यवस्था भी सुचारु बनी रहे।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन चुनाव

संयुक्त सचिव पद पर रूपेश पटेल लड़ू ने लहराया जीत का परचम

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, जबलपुर के चुनाव में अधिवक्ता रूपेश पटेल लड़ू ने सर्वाधिक 791 मत हासिल कर जीत का परचम लहरा दिया। उन्होंने निकटतम प्रतिद्वंदी सहित अन्य को 300 से अधिक मतों के भारी अंतर से पराजित किया। इस पद के अन्य प्रत्याशियों विकास मिश्रा को 451, लवकुश मिश्रा को 371, गंगा प्रसाद पटेल को 262, नीरज तिवारी को 226 व नितिन शुक्ला को 164 मत मिले। जबकि कोषाध्यक्ष के महिला के लिए आरक्षित पद पर सर्वाधिक 772 मतों के साथ सुशीला पालीवाल निर्वाचित हो गईं। अन्य प्रत्याशियों कु. अमन शर्मा को 750, शक्ति त्रिपाठी को 461 व संगीता नायडू को 276 मत प्राप्त हुए। पुस्तकालय प्रभारी पद पर अजय शुक्ला सर्वाधिक 463 मतों के साथ निर्वाचित हो गए। अन्य प्रत्याशियों विनोद मिश्रा को 438, नीरज पाठक को 434, रविन्द्र प्रताप सिंह को 282, अतुल भारद्वाज को 198, आजाद कृष्ण श्रीवास्तव को 183, तीर्थ प्रसाद जायसवाल को 145 व अभिषेक वर्मा को 125 मत प्राप्त हुए। मुख्य चुनाव अधिकारी संजय सेठ ने बताया कि 21 अगस्त को कार्यकारिणी सदस्य (सामान्य) पद की मतगणना सुबह 10.30 बजे से प्रारंभ होगी।

जिला शांति समिति की बैठक में कलेक्टर-पुलिस कप्तान ने दिए सुरक्षा के निर्देश



जबलपुर। आगामी ईद मिलादुन्नबी, रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, गणेश उत्सव और नवरात्र को लेकर गुरुवार को पुलिस कंट्रोल रूम में जिला शांति समिति की बैठक हुई। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह एवं पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय की मौजूदगी में प्रशासन, पुलिस और संबंधित विभागों के अधिकारियों तथा समिति सदस्यों ने पूर्वी के दौरान शांति, सुरक्षा और नागरिक सुविधाओं की व्यवस्थाओं पर चर्चा की। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने कहा कि संस्कारधानी की गौरवशाली परंपरा के अनुरूप सभी पूर्ण शांति, सद्भाव और उत्साह के साथ मनाए जाएं। उन्होंने साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश, यातायात सहित अन्य व्यवस्थाएं समय पर

सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जुलूस मार्गों पर पर्याप्त बैरिकेडिंग, यातायात व्यवस्था सुचारु रखने तथा मुख्य मार्गों से आवारा पशुओं को हटाने हांका गैंग की व्यवस्था करने पर भी जोर दिया गया। पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय ने कहा कि त्योहारों के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे और थाना स्तर पर भी बैठकें आयोजित होंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि अशांति फैलाने या जुलूस में व्यवधान डालने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। असामाजिक तत्वों को चिन्हित कर उनके अपराधिक रिकॉर्ड के आधार पर प्रभावी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने शांति समिति सदस्यों से अपने क्षेत्रों में सद्भाव

बनाए रखने और संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस-प्रशासन को देने की अपील की। बैठक में अपर कलेक्टर रवि शंकर राय एवं शैलेन्द्र सिंह, एसपी सिटी आयुष जाखड़, एसपी यातायात अखिलेश तिवारी सहित नगर निगम, एमपीईबी एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। शांति समिति की ओर से पूर्व मंत्री कौशलया गोंटिया, नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, एसके मुईद्दीन, कदीर सोनी, हाजी मकबूल अहमद रजवी, मो. ताहिर खान, ताहिर अली, मुकेश राठौर, शरद काबरा, साबिर उस्मानी, प्यारे साहब एवं प्रमोद पटेल सहित अन्य सदस्य शामिल हुए।

पिता की हत्या और मां पर तेजाब फेंकने की धमकी युवती को भय दिखाकर हड़प लिए लाखों के जेवर

जबलपुर। गढ़ा संजीवनीनगर में एक युवती को उसकी ही सहेली के भाई ने उसके पिता की हत्या तथा मां पर तेजाब फेंकने की धमकी देकर लाखों रुपए मूल्य के जेवर हड़प लिए। युवक की धमकी से डरी-सहमी युवती ने घर में रखे जेवर आरोपी युवक को लाकर सौंप दिए थे। बाद में मामलें की जानकारी लगने पर पीड़ित युवती के पिता ने पुलिस की शरण ली। पुलिस ने शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश आरंभ कर दी है।इस संबंध में संजीवनीनगर पुलिस ने बताया कि देवरी, मझौली निवासी मोहित तिवारी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह नगर निगम में प्राईवेट काम करता है और संजीवनी नगर इलाके में किराए से रहता है। गत 9 अगस्त को वह दादी का स्वर्णवास होने से परिवार सहित गांव गया था और वहां से वापस आने के बाद सूतक होने से इस दौरान घर की आलमारी नहीं खोलकर देखी । बाद में 18 अगस्त को पत्नी श्रृद्धा ने आलमारी खोलकर देखी



तो आलमारी में रखे जेवर सोने का 1 हार, 1 जोड़ी झाला, 1 जोड़ी टाप्स, 1 जोड़ी झुमकी, 2 अंगूठी, गांवध थीं। पत्नी और उसने जब इस दौरान घर में रही बेटी से पूछा तो काफी देर बाद उसने बताया कि अक्षत नामदेव लाल मैदान के पास रहता है, जिसकी बहन उसकी सहेली है और उसके साथ कोचिंग में पढ़ाई करती हैं। 10 अगस्त को मोबाइल पर अक्षत नामदेव ने फोन कर कहा कि तुम मेरी

बहन के साथ कोचिंग में पढ़ती हो। जो बोल रहा हूं, वैसा करो, तुम्हारे घर में जितना सोना है, वह पूरा लाकर दो। अगर नहीं दिया तो तुम्हारे पिता, जो मेहता पेट्रोल पम्प के पास पेट्रोल भरवाने आते हैं उन्हें मार दूंगा तथा तुम्हारी मां के चेहरे पर तेजाब डाल दूंगा। इसी धमकी से डर के कारण उसने घर में नहीं बताया। 11 अगस्त को शाम लगभग 6 बजे चौबे किराना के पास आलमारी से उसमें रखा एक सोने का हार, 1 जोड़ी झाला, 1 जोड़ी टाप्स, 1 जोड़ी झुमकी, 2 अंगूठी, ले जाकर अक्षत नामदेव को दे दी एवं किसी को नहीं बताया। बेटी के बताए अनुसार मोहित तिवारी ने पुलिस को बताया कि अक्षत नामदेव ने उसकी बेटी को पिता की हत्या करने व मां पर तेजाब फेंकने के भय में डालकर सोने के जेवर लेकर चला गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 308(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।



बाल सुधार गृह में नाबालिगों से वसूली का आरोप, मारपीट के बाद सर्चिंग में मिले मोबाइल और गांजा

जबलपुर। गोकलपुर स्थित बाल सुधार गृह में नाबालिगों से कथित वसूली, मारपीट और प्रतिबंधित सामान मिलने का मामला सामने आया है। हाल ही में जमानत पर बाहर आए 17 वर्षीय नाबालिग ने अपने पिता को बताया कि उससे हर सप्ताह 1 हजार रुपए की मांग की जाती थी। रुपए नहीं देने पर उसके साथ मारपीट की गई और हाथ सहित शरीर के अन्य हिस्सों पर कट लगाए गए। शिकायत के बाद बाल सुधार गृह में सर्चिंग कराई गई, जिसमें दो मोबाइल फोन, गांजा, गुटखा सहित अन्य प्रतिबंधित सामान मिलने की जानकारी सामने आई है।

नए और कमजोर बच्चों को बनाते ये निशाना

नाबालिग के पिता के अनुसार, 12 अगस्त को बेटे ने फोन पर उसे बाल सुधार गृह की स्थिति के बारे में बताया था। उसका आरोप था कि वहां करीब 10-12 लड़कों का एक समूह नए अथवा कमजोर बच्चों पर दबाव बनाता है। कथित तौर पर उससे कहा गया कि यदि सुरक्षित रहना है तो हर सप्ताह 1 हजार रुपए देने होंगे। पिता के मुताबिक, रुपए नहीं देने के बाद बेटे के साथ-थे



मारपीट की गई। उसके दोनों हाथों पर कट के निशान भी मिले। नाबालिग ने आरोप लगाया कि एक अन्य लड़के ने ब्लेड से उसके हाथ पर अपना नाम लिख दिया।

प्रबंधन ने मारपीट और कट की पुष्टि की

बाल सुधार गृह के अधीक्षक शैलेश कुमार और सहायक

अधीक्षक अरुण कुमार बघौलिया ने एक बच्चे के साथ मारपीट और उसके हाथों पर कट लगाए जाने की पुष्टि की है। हालांकि, प्रबंधन का कहना है कि कट ब्लेड से नहीं, बल्कि बच्चों को पढ़ाई के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले शार्पनर की ब्लेड से लगाए गए थे। प्रबंधन के अनुसार, बच्चों को पेन, पेंसिल और शार्पनर जैसी अध्ययन सामग्री दी जाती है। घटना में इसी शार्पनर की ब्लेड के इस्तेमाल की बात सामने आई है।

सर्चिंग में मिले मोबाइल, गांजा और गुटखा

शिकायत सामने आने के बाद बाल सुधार गृह में तलाशी अभियान चलाया गया। प्रबंधन के अनुसार, सर्चिंग के दौरान दो मोबाइल फोन, गांजा, गुटखा और अन्य प्रतिबंधित सामान मिला। अब यह पता लगाया जा रहा है कि ये सामान परिसर के भीतर कैसे पहुंचा और इसका इस्तेमाल कौन कर रहा था।

बाल न्यायालय को मेजी रिपोर्ट

घटना की जानकारी बाल सुधार गृह प्रबंधन ने संबंधित

बाल न्यायालय को पत्र के माध्यम से दी है। रांशी थाना प्रभारी उमेश गोह्लाजी के अनुसार, परिवार की शिकायत सामने आई है। परिवार की ओर से बाल सुधार गृह के साथ न्यायालय में भी शिकायत की गई है। कोर्ट के निर्देश के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

50 नाबालिग रह रहे, सुरक्षा पर सवाल

जानकारी के अनुसार, गोकलपुर बाल सुधार गृह में फिलहाल करीब 50 नाबालिग रह रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या 16 से 17 वर्ष की उम्र के बच्चों की है। घटना के बाद बाल सुधार गृह की सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। जिस संस्थान में कानून से संघर्ष की स्थिति में आए बच्चों को सुरक्षित और सुशासनात्मक वातावरण देने की जिम्मेदारी है, वहां वसूली, मारपीट और प्रतिबंधित सामान मिलने के आरोप गंभीर चिंता का विषय हैं। जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि कथित वसूली और मारपीट में कौन-कौन शामिल था तथा प्रतिबंधित सामान अंदर कैसे पहुंचा।

युवा सोशल मीडिया को राष्ट्र निर्माण का माध्यम बनाएं: खंडेलवाल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने भोपाल में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स से किया संवाद

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने बुधवार को भोपाल में “सोशल मीडिया डायलॉग कॉफी विथ स्टेट प्रेसिटेड” कार्यक्रम में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स से संवाद किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में सोशल मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का जो लक्ष्य

निर्धारित किया है, वह केवल सरकार का लक्ष्य नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों का सामूहिक संकल्प है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समाज के हर वर्ग, हर युवा और हर नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। सोशल मीडिया लोगों की राय बनाने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। सोशल मीडिया अब केवल मनोरंजन या सूचना के आदान-प्रदान का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि यह समाज के विचार, व्यवहार और दिशा को प्रभावित करने वाला एक सशक्त माध्यम बन चुका है। युवा सोशल मीडिया को राष्ट्र निर्माण का माध्यम बनाएं। ऐसे में आप सभी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की भूमिका समाज निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।

संकल्प को जन-जन तक पहुंचाएं

खण्डेलवाल ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने और इसे जनभागीदारी का व्यापक आंदोलन बनाने में सोशल मीडिया की भूमिका अत्यंत प्रभावशाली है। आप सभी युवा सोशल मीडिया का उपयोग विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने में करें। आज एक पोस्ट, एक वीडियो, एक रील या एक सकारात्मक विचार कुछ ही समय में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। इसलिए सोशल मीडिया के जरिए आप सभी लोगों की जितनी पहुंच है, देश को विकसित बनाने में आपकी भागीदारी भी उतनी ही बड़ी हो जाती है। उन्होंने कहा कि हम सभी का प्रयास होना चाहिए कि सोशल मीडिया के माध्यम से सकारात्मकता, और विकास की सोच को आगे बढ़ाया जाए। देश की उपलब्धियों, युवाओं की सफलता, स्टार्ट-अप, तकनीक, शिक्षा, रोजगार, महिला सशक्तिकरण और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाई जाए।

मप्र शासन के चार आईएएस अफसरों के हुए स्थानांतरण

हरिभूमि न्यूज ►►► भोपाल

मप्र शासन ने चार आईएएस अधिकारियों के स्थानांतरण के आदेश जारी किए हैं। इसमें अपर सचिव स्तर के तीन और उप सचिव स्तर के एक आईएएस अधिकारी शामिल हैं। जारी आदेश के अनुसार, खनिज संसाधन विभाग में अपर सचिव एवं 2012 बैच की आईएएस अधिकारी भारती जाटव ओगरे को उच्च शिक्षा विभाग में अपर सचिव की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं वर्ष 2013 बैच की आईएएस अधिकारी एवं गृह विभाग में अपर सचिव मनीषा सैतिया को अपर सचिव पर्यटन विभाग पदस्थ किया गया है। इसी तरह वर्ष 2016 बैच की अधिकारी शुचिस्मिता सक्सेना उप सचिव, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग को उप सचिव, गृह विभाग भेजा गया है। वर्ष 2017 बैच के अधिकारी विवेक कुमार जो वर्तमान में पदस्थापना के लिए प्रतीक्षारत थे, उन्हें उप सचिव, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग में पदस्थ किया गया है।

स्वर्ण संक्षेप

पूर्व राष्ट्रपति शर्मा की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित

मैहर में आधुनिक स्टेडियम, सर्व सुविधायुक्त अस्पताल की घोषणा

विशेष प्रतिनिधि ►►► भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बुधवार को मैहर जिले में लगभग 256 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के 25 विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन भी किया। डॉ यादव ने मैहर के उस्ताद अलाउद्दीन खां स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय लाइली बहना सम्मेलन जिले के अनेक विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर उन्होंने मैहर में आधुनिक स्टेडियम और बड़े सर्व सुविधायुक्त अस्पताल निर्माण की घोषणा भी की। डॉ यादव ने जिले की विकास गतिविधियों और कार्यक्रमों तथा योजनाओं की उपलब्धि पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

भाजपा कार्यालय में मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने सुनी कार्यकर्ताओं की समस्याएं भोपाल। मप्र के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बुधवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय पहुंचकर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं आमजनों से मुलाकात की। इस दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने अपनी विभिन्न समस्याएं, शिकायतें एवं जनहित से जुड़े विषय मंत्री के समक्ष रखे। राजपूत ने सभी की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना तथा संबंधित अधिकारियों और विभागों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करते हुए समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश मंत्री राजेंद्र सिंह राजपूत भी मौजूद रहे। मंत्री राजपूत ने कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

होमगार्ड आपदा प्रबंधन यंत्रों की प्रदर्शनी का अवलोकन

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत होमगार्ड द्वारा प्रदर्शित किए गए आपदा प्रबंधन उपकरणों एवं बचाव कार्य में उपयोग होने वाले आधुनिक संसाधनों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान होमगार्ड के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को विभिन्न आपदा प्रबंधन यंत्रों की कार्यप्रणाली एवं उनके उपयोग की जानकारी दी। इन उपकरणों का उपयोग बाढ़, आगजनी, भवन दुर्घटना, सड़क हादसे तथा अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में राहत एवं बचाव कार्यों में किया जाता है।

- ### मुख्यमंत्री की प्रमुख घोषणाएं

 - मैहर जिले के बदेरा पहाड़ में 132 केवीए का सब स्टेशन बनाया जाएगा।
 - मैहर में 25 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक स्टेडियम बनाया जायेगा।
 - लिजली जलाशय का 50 करोड़ रुपये की लागत से नवीनीकरण किया जाएगा।
 - मैहर में एक बड़ा सर्व सुविधायुक्त अस्पताल बनाया जाएगा।
 - मैहर में 5000 गौवंश क्षमता की बड़ी गौशाला बनेगी।
 - घुनवारा में आईटीआई संस्थान बनेगा, स्कूल का उज्जयन किया जाएगा।
 - आल्हा गायकों की सभी समितियों को 25-25 हजार रुपये का नगद पुरस्कार दिया जाएगा।

मां शारदा माता मंदिर में की पूजा-अर्चना

सीएम ने मैहर स्थित विश्वप्रसिद्ध मां शारदा माता मंदिर पहुंचकर विधि-विधानपूर्वक मां शारदा का पूजन-अर्चना किया। उन्होंने मां शारदा के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, एवं कल्याण की कामना की। पूजन के बाद मंदिर प्रबंधन एवं जिला प्रशासन द्वारा मां शारदा का चित्र भेंट कर सम्मान किया गया। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा, दर्शन व्यवस्था एवं मंदिर परिसर में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। मां शारदा की

पावन नगरी मैहर देश-प्रदेश के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। मां शारदा का आशीर्वाद प्रदेशवासियों पर सदैव बना रहे और मध्यप्रदेश निरंतर प्रगति एवं विकास के पथ पर आगे बढ़े।

अस्पताल से भी उपचार के दौरान भागा, तलाश जारी

हरिभूमि न्यूज ►►► गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

गौरेला थाना क्षेत्र के भदौरा गांव में शराब के नशे में एक ग्रामीण पड़ोसी के घर में घुसे जहरीले सांप को पकड़कर गले में डालकर काफी देर तक गांव में घूमता रहा। इस दौरान सांप ने उसे कई बार डसा लेकिन नशे की हालत में वह खतरे को गंभीरता से नहीं समझ पाया। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार संतराम भैना शराब के नशे में था। इसी दौरान उसे पता चला कि पड़ोसी के घर में फन वाला जहरीला सांप

शराब के नशे में गले में सांप डालकर घूमता रहा ग्रामीण

घुस गया है। सांप को पकड़ने के लिए वह मौके पर पहुंचा और उसे पकड़कर अपने गले में डाल लिया। इसके बाद वह सांप को गले में लटकाए गांव में घूमता रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक इस दौरान सांप ने उसे कई बार डसा। कुछ समय बाद जब संतराम की तबीयत बिगड़ने लगी और शरीर पर सांप के जहर का असर दिखाई देने लगा तो आसपास के लोगों ने उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज शुरू किया गया। बाद में अस्पताल से निकल गया।

रियल एस्टेट कारोबारियों के ठिकानों पर ईडी के छापे

दुर्ग। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने एक साथ दो जगहों पर दबिश दी है। बताया जा रहा है कि टीम ने रियल एस्टेट कारोबार से जुड़े विश्वास गुप्ता और सजल जैन के निवास पर कार्रवाई शुरू की है। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में अधिकारी और सीआरपीएफ के जवान मौजूद हैं। मिली जानकारी के अनुसार, ईडी की टीम में एक दर्जन से अधिक अधिकारी शामिल हैं। टीम दोनों कारोबारियों के घरों पर दस्तावेजों और अन्य रिकॉर्ड की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि विश्वास गुप्ता और सजल जैन के ठिकानों पर इससे पहले ईओडब्ल्यू और एसबीबी की टीम भी कार्रवाई कर चुकी है।

क्रेन से लोहे की भारी प्लेट उठाते समय बिगड़ा संतुलन

हरिभूमि न्यूज ►►► दुर्ग

जिले के पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र के हथखोज औद्योगिक इलाके में स्थित सिसकोल प्लांट में बुधवार देर शाम एक बार फिर बड़ा हादसा हो गया। क्रेन से लोहे की भारी प्लेट उठाकर ले जाने के दौरान अचानक संतुलन बिगड़ गया और प्लेट नीचे गिर गई। इसकी चपेट में आने से क्रेन ऑपरेटर राजेश निर्मलकर (40) गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद प्लांट के अन्य मजदूरों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग की। खास बात यह है कि करीब सात महीने के भीतर इसी प्लांट में क्रेन से लोहे की प्लेट गिरने की यह दूसरी घटना है, जिसके बाद प्रबंधन की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

सिसकोल प्लांट में देर शाम हुआ बड़ा हादसा, क्रेन ऑपरेटर की दर्दनाक मौत

अस्पताल में डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

पुलिस के मुताबिक, धमधा निवासी राजेश निर्मलकर सिसकोल प्लांट में क्रेन ऑपरेटर के रूप में काम करता था। बुधवार शाम क्रेन की मदद से लोहे की प्लेट को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान अचानक प्लेट का संतुलन बिगड़ गया और वह क्रेन से फिसलकर नीचे जा गिरा। प्लेट सीधे राजेश के ऊपर जा गिरा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

पीएम के लैब टू लैंड के आह्वान पर पीडब्ल्यूडी, सीआरआरआई ने किया कार्यशाला का आयोजन

नवाचार तभी सार्थक, जब वह प्रयोगशाला से निकलकर वास्तविक निर्माण स्थल तक पहुंचे: मंत्री सिंह

हरिभूमि न्यूज ►►► भोपाल

नवाचार तभी सार्थक है, जब वह प्रयोगशाला से निकलकर वास्तविक निर्माण स्थल तक पहुंचे और मैदानी स्तर पर प्रमाणित परिणाम दे। नवीन तकनीकों को पहले पायलट परियोजनाओं एवं परीक्षण खंडों में परखा जाए तथा सफल परिणाम मिलने के बाद उन्हें व्यापक स्तर पर अपनाया जाए। वैज्ञानिक अनुसंधान केवल दस्तावेजों तक सीमित न रहे, बल्कि उसका सीधा लाभ अधोसंरचना परियोजनाओं और आमजन तक पहुंचे। यह बात लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने बुधवार को सीएसआईआर-एमपीआरआई, भोपाल में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कही। कार्यशाला का विषय “सतत अधोसंरचना के लिए नवीनोपेक्षी सामग्री एवं उन्नत कंपोजिट” था। इसका संयुक्त आयोजन सीएसआईआर-सीआरआई, नई दिल्ली और सीएसआईआर-एमपीआरआई, भोपाल द्वारा किया गया।

वैज्ञानिक अनुसंधान दस्तावेजों तक सीमित न रहे आमजन तक पहुंचे सुविधाएं

विशेषज्ञों ने साझा किए अनुभव

कार्यशाला के प्रथम तकनीकी सत्र “राजमार्ग अधोसंरचना के लिए नवीनोपेक्षी निर्माण एवं पुनर्वस्र तकनीक” में सॉल्वेल नैलिंग के साथ बाँक्स-जेकिंग तकनीक तथा सड़क एवं रेलवे अंडरपास निर्माण पर चर्चा हुई। राजमार्ग जियो-स्ट्रक्चर के पुनर्वास और मैदानी अध्ययन भी प्रस्तुत किए गए। द्वितीय तकनीकी सत्र और तृतीय तकनीकी सत्र में भी विशेषज्ञों ने अनुभव साझा किए एवं तकनीकी प्रस्तुतियां दी गईं।

50 हजार करोड़ रुपये के सड़क कार्य किए जा रहे: भरत यादव

एमपीआरडीसी के प्रबंध संचालक भरत यादव ने बताया कि लोक निर्माण विभाग एवं एमपीआरडीसी द्वारा लगभग 50 हजार करोड़ रुपये के सड़क कार्य किए जा रहे हैं। नवीन तकनीकों को वैज्ञानिक परीक्षण और पायलट प्रयोग में सफल होने के बाद अपनाया जाएगा। वैज्ञानिकों के अनुसंधान और अभियंताओं के मैदानी अनुभव से टिकाऊ, सुरक्षित एवं किफायती सड़कें विकसित की जाएंगी।

कम लागत वाली स्वदेशी तकनीकें विकसित करनी होंगी

मंत्री सिंह ने कहा कि बढ़ते यातायात, भारी वाहनों, सीमित प्राकृतिक संसाधनों और बदलती जलवायु के बीच हमारा लक्ष्य केवल अधिक सड़कें बनाना नहीं, बल्कि सुरक्षित, टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल अधोसंरचना विकसित करना होना चाहिए। इसके लिए वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को स्थानीय संसाधनों पर आधारित कम लागत वाली स्वदेशी तकनीकें विकसित करनी होंगी। नई तकनीकें गुणवत्तापूर्ण होने के साथ व्यावहारिक और किफायती भी होनी चाहिए। पराली सहित अनुपयोगी सामग्रियों का अधोसंरचना निर्माण में उपयोग कर पर्यावरणीय समस्याओं को उपयोगी संसाधनों में बदला जा सकता है।

शिकायत के निराकरण की समय-सीमा अब चार दिन

मंत्री सिंह ने लोकपथ ऐप-2 की जानकारी देते हुए बताया कि नागरिक सड़क पर गड़बे अथवा क्षति का जियो-टैट फोटो ऐप पर अपलोड कर सकते हैं। शिकायत के निराकरण की समय-सीमा सात दिन से घटाकर चार दिन कर दी गई है। ऐप वैकल्पिक मार्ग, दूरी, टोल टैक्स, अस्पताल और अन्य सुविधाओं की जानकारी देने के साथ ब्लैक स्पॉट से लगभग 500 मीटर पहले वाहन चालक को सतर्क भी करता है। उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण को जल-संरक्षण से जोड़ते हुए सड़कों के किनारे निश्चित दूरी पर रिचार्ज बोर बनाए जाएंगे।

दिमाग पढ़ने वाला एआई आ गया! 4 साल पहले ही बता देगा कि किसे होगा डिप्रेशन

बीजिंग। मेंटल हेल्थ और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दुनिया में एक ऐसा क्रांतिकारी बदलाव आया है जो आने वाले समय में लाखों जिंदगियां बचा सकता है। चीन के शंजोन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा ‘ब्रेन-रीडिंग’ एआई मॉडल डेवलप किया है जो किसी व्यक्ति के चेहरे के हाव-भाव पर मिलने वाले दिमागी रिसर्पन्स को देखकर यह बता सकता है कि उसे आने वाले 4 सालों में डिप्रेशन होगा या नहीं। इतना ही नहीं, यह टेक्नोलॉजी, फ्यूचर में ऐसे ह्यूमनॉइड रोबोट्स बनाने में भी मदद करेगी जो इंसानों के चेहरे की बारीक एक्सप्रेसन्स को देखकर उनके दिल और दिमाग का हाल समझ सकेंगे।

डिप्रेशन का ग्लोबल संकट और चीनी रिसर्च

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के आंकड़ों के मुताबिक, दुनिया भर में करीब 33 करोड़ 20 लाख लोग डिप्रेशन की बीमारी से जूझ रहे हैं। इनमें से एक-तिहाई लोग ऐसे हैं जिन पर पारंपरिक दवाओं का कोई असर नहीं होता, जिसे ट्रीटमेंट-रेसिस्टेंट डिप्रेशन कहा जाता है। अगर अकेले चीन की बात करें तो नेशनल बिजनेस डेली की रिपोर्ट के अनुसार वहां 9 करोड़ 5 लाख लोग इस गंभीर मानसिक समस्या का सामना कर रहे हैं। इस बड़े खतरे से निपटने के लिए शंजोन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की अసిस्टेंट प्रोफेसर लू हान की लीडरशिप में एक टीम ने यह अध्ययन किया है।

जानिए कैसे काम करती है ‘ब्रेन-रीडिंग’ टेक्नोलॉजी

19 की उम्र में स्कैन और 23 में डिप्रेशन का पता

वैज्ञानिकों ने यूरोपीय देशों के कई टीनेजर्स के एक बड़े डेटासेट का प्नालिसिस किया। इस स्टडी में 19 साल की उम्र के युवाओं के दिमाग के एफएमआरआई स्कैन लिए गए। उस समय उनसे ‘इमोशनल-फेस टास्क’ कराया गया जिसमें उन्हें अलग-अलग चेहरे के हाव-भाव दिखाए गए। इसके बाद वैज्ञानिकों ने उनके खून के सैंपल से जेनेटिक डेटा इकट्ठा किया और प्रश्नावली से उनके मानसिक खल्लहार को मापा। जब ये युवा 23 साल के हुए, तब दोबारा उनका फॉलोअप लिया गया। एआई मॉडल ने 19 साल की उम्र के दिमागी स्कैन को देखकर यह बिल्कुल सटीक भविष्यवाणी कर दी थी कि 23 साल की उम्र में किन युवाओं में डिप्रेशन और एंज्जायटी के गंभीर लक्षण डेवलप होंगे।



चेहरे के हाव-भाव और नेगेटिव बायस का खेल

रिसर्चर लू हान के अनुसार, एक इंसान दूसरों के चेहरे के भावों में आ रहे बदलावों को बहुत आसानी से समझ लेता है और उसी हिसाब से रिएक्ट करता है। उदाहरण के लिए, जब कोई सामने से मुस्कुराता है तो सामान्य व्यक्ति भी दोस्ताना व्यवहार दिखाता है। लेकिन डिप्रेशन के खतरे से जूझ रहे लोगों के दिमाग में ऐसा नहीं होता। डिप्रेशन के प्रति संवेदनशील लोग सामने वाले के हल्के भावों को भी ‘नैग्स’ मान लेते हैं। ये हमेशा यह मान बैठते हैं कि सामने वाला इंसान उनसे नाराज है या उन्हें रीजेक्ट कर रहा है।

रोबोट्स का भविष्य

यह रिसर्च केवल डिप्रेशन का इलाज खोजने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रोबोटिक्स और एम्बॉडीज इंटेलिजेंट ह्यूमनॉइड्स की दुनिया में नया इक्लाब ला सकती है। अब तक के रोबोटिक एआई सिर्फ चेहरे के एक्सप्रेसन देखकर यह बता पाते थे कि इंसान खुश है या उदास (सिंपल लेबलिंग)। लेकिन, चीनी वैज्ञानिकों का मानना है कि इस नए मॉडल की मदद से रोबोट्स को इंसानी दिमाग की तरह सोचना और देखना सिखाया जा सकता है। भविष्य में इनने वाले रोबोट्स सिर्फ चेहरे के हाव-भाव नहीं देखेंगे, बल्कि इंसान की आंखों के पीछे छिपे असली मूड और न्यूंस किजुअल डिटेल्स को समझ पाएंगे। इससे ऐसे देखात करने वाले रोबोट बनाए जा सकेंगे जो बुजुर्गों और मरीजों का भावनात्मक सहारा बन सकें।

चीन की बुलेट ट्रेन ने 5 सेकंड में पकड़ी 800 किमी की रफ्तार, बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

बीजिंग। चीन में एक एक्सपेरिमेंटल बुलेट ट्रेन ने एक्सप्लोरेशन (तेजी से रफ्तार पकड़ने) का अपना ही वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इस ट्रेन ने पांच सेकंड में जीरो से 800 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ी है। इससे अल्ट्रा-हाई-स्पीड ट्रांसपोर्टेशन का रास्ता खुल सकता है। चीन की ये कामयाबी अहम है, क्योंकि वह मैग्लेव के जरिए ना सिर्फ भारत की वंदे भारत जैसी ट्रेन से बहुत आगे निकल गया है, बल्कि विकसित देशों को भी पछाड़ रहा है। ईरिपेंडेंट की रिपोर्ट के मुताबिक, भारी-भरकम मैग्लेव ट्रेन हुबेई प्रांत में डोंगु लेबोरेटरी में एक किमी के टेस्ट-ट्रैक पर सिर्फ 5.3 सेकंड में 800 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेती है। भारत में चीन के राजदूत जू फेइहोंग ने चीन के मैग्लेव ट्रेन के लिए इसे एक बड़ी उपलब्धि कहा है।

मैग्लेव तकनीक से कमाल

मैग्लेव (मैग्नेटिक लेविटेशन) ट्रेन जमीन पर चलने वाली एक एडवांस्ड गाड़ी है। मैग्लेव ट्रेने मैग्नेटिक फोर्स का इस्तेमाल करके पूरी ट्रेन को ट्रैक से थोड़ा ऊपर उठाती है। इससे यह फ्रिक्शन हट जाता है, जो शक्तिभावी इलेक्ट्रोमैग्नेट की मदद से गाइडवे के ऊपर तैरती है। पहिए और पटरों के बीच संपर्क ना होने से घर्षण (फ्रिक्शन) खत्म हो जाता है और ट्रैक के चारों ओर कॉइल से पैदा हुई मैग्नेटिक वेव गाड़ी को बढ़ाती है। इससे तेज रफ्तार बनती है। चीन ने दिखाया कि ट्रेन ना सिर्फ बहुत तेज स्पीड पकड़ती है, बल्कि अपने बैकिक सिस्टम से कंट्रोल होकर रुकती भी है।

तेज रफ्तार ट्रेन बनाने में चीन ने की है काफी तरक्की

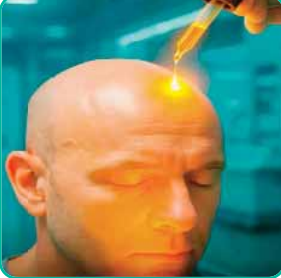


कैसे रुकती है ये ट्रेन

चीन के इस ताजा परीक्षण में जीरो से 800 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ने के बाद ट्रेन करीब 200 मीटर के दायरे में धीरे-धीरे आराम से रुक गई। छह महीने में यह तीसरी बार था, जब एक ही ट्रेन ने कम दूरी की मैग्लेव एक्सप्लोरेशन का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा था। 1.1 टन की इस ट्रेन का पहला टेस्ट जून 2025 में किया गया था, जब इसने सात सेकंड में 650km प्रति घंटे की स्पीड पकड़कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। मैग्लेव ने बाद के टेस्ट में अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया।

रोचक खबरें अब 20 दिन में उग आएंगे बाल नहीं रहेगा कोई टकला

ताइपे। गंजेपन की समस्या दुनिया भर में करोड़ों लोगों को परेशान करती है। पुरुष हों या महिलाएं, बाल झड़ने से आत्मविश्वास प्रभावित होता है। बाजार में अनगिनत हेयर ऑयल, शैंपू, दवाइयां और ट्रीटमेंट उपलब्ध हैं लेकिन ज्यादातर मामलों में संतोषजनक नतीजे नहीं मिल पाते। अब ताइवान के वैज्ञानिकों ने एक नई उम्मीद जगाई है। नेशनल ताइवान यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं का दावा है



कि उन्होंने ऐसी तकनीक विकसित की है जिससे 20 दिन में बाल उगने शुरू हो सकते हैं। शोध टीम ने पाया कि त्वचा के नीचे मौजूद फैट सेल्स कुछ खास फैटी एसिड छोड़ते हैं जो सुप्त पड़ें हेयर फॉलिकल स्टेम सेल्स को सक्रिय कर देते हैं। उन्होंने मोनोअनसैचुरेटेड फैटी एसिड जैसे ओलिक एसिड और पामिटोलिक एसिड वाली एक टॉपिकल सीरम बनाई।

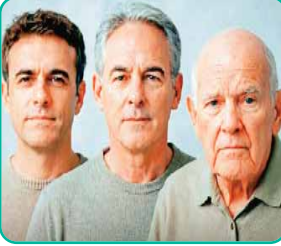
चूहों पर किए गए प्रयोगों में सात दिन में स्टेम सेल्स सक्रिय हुए, दसवें दिन बाल दिखने लगे और करीब 20 दिन में काफी मात्रा में बाल उग आए। यह शोध सेल मेटाबॉलिज्म नामक प्रतिष्ठित जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

ला सकता है क्रांति

टीम का नेतृत्व प्रोफेसर सुंग-जन लिन ने किया। उन्होंने बताया कि त्वचा में जलन या चोट लगने पर अक्सर बाल ज्यादा उगते दिखते हैं। इसी ऑब्जर्वेशन से शोध की शुरुआत हुई। जब त्वचा में हल्की जलन होती है तो इम्यून सेल्स फैट सेल्स को संकेत देते हैं और वे फैटी एसिड रिलीज करते हैं। ये एसिड हेयर फॉलिकल स्टेम सेल्स को एनर्जी देते हैं और उन्हें ग्रोथ फेज में ला देते हैं। वैज्ञानिकों ने देखा कि जलन पैदा किए बिना भी सिर्फ इन फैटी एसिड को लगाकर वही असर हासिल किया जा सकता है। ओलिक एसिड और पामिटोलिक एसिड शरीर में प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं और कई वनस्पति तेलों में भी मौजूद हैं। इसलिए, इन्हें सुरक्षित माना जा रहा है। शोधकर्ताओं ने सीरम का पेटेंट भी करा लिया है। लैब में मानव हेयर फॉलिकल्स पर भी सकारात्मक नतीजे मिले हैं। अब स्कैल्प पर डोज टेस्टिंग और क्लिनिकल ट्रायल की योजना है। प्रोफेसर लिन ने खुद अपने पैर पर इस सीरम का परीक्षण किया और कुछ बाल उगते देखे। हालांकि, यह छोटी सी सेल्फ टेस्ट थी। विशेषज्ञ साफ कह रहे हैं कि अभी यह मानव सिर पर बड़े पैमाने पर साबित नहीं हुआ है।

एक नहीं, तीन बार बूढ़ा होता है शरुक्स, 34 साल की उम्र में आता है पहला बड़ा बदलाव न्यूयार्क।

आमतौर पर लोग मानते हैं कि इंसान पचास की उम्र पार करने के बाद बुढ़ापे की दहलीज पर पहुंचता है। बाल पकने लगते हैं, रिकन पर झुर्रियां पड़ती हैं और शरीर धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है। लेकिन, अब विज्ञान ने एक बेहद चौंकाने वाला तथ्य पेश किया है। नए शोध के मुताबिक इंसान अपनी पूरी जिंदगी में तीन बार बूढ़ा होता है। ये उम्र हैं 34, 60 और 78 साल। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने यह चौंकाने वाली खोज की है। उन्होंने हजारों लोगों के खून के प्लाज्मा का विश्लेषण किया। अलग-अलग उम्र के प्रतिभागियों के सैंपल लेकर उन्होंने पाया कि शरीर



एक समान गति से नहीं बुढ़ाता बल्कि तीन अलग-अलग जैविक चरणों में अचानक बड़े बदलाव होते हैं। इन चरणों में प्रोटीन के बड़े समूह बहुत कम समय में नाटकीय रूप से बदल जाते हैं। शोध के अनुसार 34 साल की उम्र में पहला बड़ा बदलाव आता है। इस उम्र में मेटाबॉलिज्म और मांसपेशियों की कार्यप्रणाली प्रभावित होती है। शरीर की ऊर्जा बनाने और इस्तेमाल करने की क्षमता में बदलाव आने लगता है। मांसपेशियों की ताकत और रिकवरी पर भी असर पड़ता है। कई लोग इस उम्र में महसूस करते हैं कि पहले जैसी एनर्जी नहीं रही या व्यायाम के बाद थकान ज्यादा होने लगी है। दूसरा बड़ा बदलाव 60 साल की उम्र में होता है। इस चरण में हृदय संबंधी मार्कर्स यानी कार्डियोवैस्कुलर संकेतक अचानक बदल जाते हैं। दिल और रक्त वाहिकाओं की सेहत में महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिलते हैं। रक्तचाप, कोलेस्ट्रॉल और अन्य हृदय संबंधी पैरामीटर्स में शिफ्ट आता है। यही वजह है कि कई लोग साठ के दशक में अचानक दिल की समस्याओं या थकान का अनुभव करने लगते हैं। तीसरा और अंतिम बड़ा बदलाव 78 साल की उम्र में होता है। इस चरण में इम्यून सिस्टम यानी रोग प्रतिरोधक क्षमता और संज्ञानात्मक यानी दिमागी कार्यों में तेजी से बदलाव आता है। इम्युनिटी कमजोर पड़ने लगती है और याददाश्त या सोचने-समझने की क्षमता प्रभावित हो सकती है।

निकले चौंकाने वाले नतीजे

शोध बताता है कि इन तीन बिंदुओं पर शरीर में प्रोटीन के स्तर अचानक और व्यापक रूप से बदलते हैं। इन खोज इसलिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इससे समझ में आता है कि क्यों कई लोग कहते हैं कि वे ठीक-ठाक महसूस कर रहे थे और फिर अचानक खुद को कुछ महसूस करने लगे। बुढ़ापा धीरे-धीरे रिसने वाली प्रक्रिया नहीं, बल्कि कुछ खास उम्रों में लहरों की तरह आता है। स्टैनफोर्ड के शोधकर्ताओं ने खून के प्लाज्मा में मौजूद प्रोटीन के पैटर्न का अध्ययन करके यह निष्कर्ष निकाला है। प्लाज्मा रक्त का वह हिस्सा है जिसमें कोशिकाएं नहीं होतीं, लेकिन सैकड़ों तरह के प्रोटीन होते हैं। ये प्रोटीन शरीर के विभिन्न कार्यों को नियंत्रित करते हैं। जब इन प्रोटीन के बड़े समूह एक साथ बदलते हैं तो शरीर की कार्यप्रणाली में व्यापक असर पड़ता है। शोध में यही देखा गया कि 34, 60 और 78 के आसपास ऐसे बड़े क्लस्टर परिवर्तन होते हैं।

हैदराबाद। तेलंगाना के संगारेड्डी स्थित रेजिंथल गांव के सिद्धि विनायक मंदिर में भगवान गणेश की स्वयंभू मूर्ति का आकार हर साल तिल जितना बढ़ता है। 200 साल पहले छोटी शिला के रूप में प्रकट हुई यह मूर्ति अब 6.5 फीट ऊंची हो चुकी है। मंदिर की एक खास बात इसका दक्षिणमुखी होना भी है। जहां भक्त इसे बप्पा का साक्षात चमत्कार मानते हैं, वहीं कुछ लोग सिंदूर व चोला चढ़ाने के लेप को वजह बताते हैं। गणेश चतुर्थी पर यहां तेलंगाना, महाराष्ट्र व कर्नाटक से हजारों श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। भारत में ऐसे कई ऐतिहासिक मंदिर हैं जो अपने अनूठे इतिहास और चमत्कारों के लिए पूरी दुनिया में जाने जाते हैं। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में जहीराबाद के पास स्थित रेजिंथल गांव का सिद्धि विनायक मंदिर भी इन दिनों अपनी एक अनोखी और रहस्यमयी मान्यता को लेकर श्रद्धालुओं के बीच गहरी आस्था का केंद्र बना हुआ है। इस मंदिर की सबसे हैरान करने वाली बात यहां स्थापित भगवान गणेश की दिव्य मूर्ति का निरंतर बढ़ता हुआ आकार है।



दक्षिणमुखी मूर्ति और अनूठी मान्यताएं

इस मंदिर की एक और बड़ी विशेषता इसका दक्षिणमुखी होना है। आमतौर पर हिंदू मंदिरों में देवी-देवताओं की प्रतिमाएं पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख किए होती हैं। दक्षिण की ओर मुख वाली गणेश प्रतिमाएं बेहद दुर्लभ मानी जाती हैं। श्रद्धालुओं का अटल विश्वास है कि दक्षिणमुखी सिद्धि विनायक के दर्शन करने से जीवन के बड़े से बड़े संकट टल जाते हैं और सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

स्वेज नहर के पास शिलालेख से मिला सबूत

मिस्र में बड़ी कामयाबी, मिला हजारों

साल पहले खोया शहर मसन



का हि रा । पुरातत्वविदों के एक बड़ी काम या बी मिली है। एक हालिया खोज के आधार पर पुरातत्वविदों का मानना है कि उन्होंने मिस्त्र का खोया हुआ शहर ‘मसन’ खोज लिया है। यह प्राचीन मिस्त्र का एक शहर था, जिसका जिक्र 3,000 साल से पहले के लेखों में मिलता है। इसकी जगह का पता लंबे समय से नहीं चल पाया था। अब स्वेज नहर के पास मिले बलुआ पत्थर (सैंडस्टोन) के शिलालेख ने तकरीबन 140 साल पुरानी बहस में नया सबूत जोड़ दिया है। इससे इस बात की संभावना बढ़ी है कि टेल अबू सेफी ही प्राचीन मसन में मसन था। नेशनल न्यूज के मुताबिक, मिस्त्र की एक पुरातत्व टीम को इस्माइलिया प्रांत में स्वेज नहर के पास कंतारा ईस्ट में ‘टेल अबू सेफ’ में इस शहर (मसन) के नाम वाला एक शिलालेख मिला है। यह बलुआ पत्थर के लिंटेल् के एक बड़े टुकड़े पर खुदा हुआ है। दो टुकड़ों में बंटे और तीन तरफ खुदे हुए इस पत्थर पर रामसेस द्वितीय की शाही उपाधियां लिखी हैं। इस शिलालेख ने टेल अबू सेफी को मसन से जोड़ने वाले पुरातत्व और ऐतिहासिक दावों को मजबूत किया है, लेकिन इसकी पुष्टि के लिए अभी और खुदाई और अध्ययन की जरूरत होगी।

कौन थे रामसेस द्वितीय

रामसेस द्वितीय वही फराओ (राजा) था, जिसने 13वीं सदी ईसा

खुदाई से बदलेगा नजरिया

इस खुदाई से इस पूरी जगह की समझने का नजरिया बदल गया है। पहले मिट्टी की ईंटों से बनी एक बड़ी दीवार को मंदिर का हिस्सा माना जाता था। पुरातत्वविदों का अब मानना है कि यह दीवार पूरे मंदिर परिसर को घेरे हुए थी और इसे कई बार बढ़ाया गया था। टीम को कितोबेइ इलाके के बाहर से मंदिर की ओर जाने वाली दो पत्थर की सड़कें भी मिलीं। पहली सड़क ग्रीक शासन के दौरान टॉलेमिक राजवंश के समय बनाई गई थी, जबकि दूसरी सड़क सड़क मिस्त्र के रोमन नियंत्रण में आने के बाद पहली सड़क के ऊपर बनाई गई थी। परिसर के अंदर पुरातत्वविदों ने उत्तर की ओर सामान रखने के कमरे (स्टोरेज रूम), दक्षिण की ओर बड़े सॉलिड रूम और मंदिर के सबसे पवित्र हिस्से यानी गमगृह के अवशेषों की पहचान की।

1887 की खोज में नया पड़ाव

यह सवाल 1887 से चल रहा है, जब ‘टेल अबू सेफी’ में ऐसे पत्थर मिले थे जिन पर रामसेस द्वितीय का नाम और मेसेन के होरस का जुक्त था। जेम्स हॉफमेयर और स्ट्रीफन मोशियर की 2013 की एक स्टडी में बताया गया कि पहले की खुदाई में रामसेस द्वितीय के समय वहां लोगों के रहने का कोई सबूत नहीं मिला था। ये पत्थर शायद पास के टेल हेबुआ से लाए गए थे, जिसे अब ‘जारू’ के तौर पर पहचाना जाता है। मंत्रालय का कहना है कि हाल ही में मिला शिलालेख टेल अबू सेफी वाली थ्योरी में नए सबूत जोड़ता है। इस पहचान की पुष्टि हो जाती है तो मसन को होरस मिलिट्री रोड पर स्थित माना जाएगा। यह मिस्त्र से सिनाई और प्राचीन कनान तक जाने वाला मुख्य सैन्य और व्यापारिक मार्ग था। इससे पुरातत्वविदों को यह समझने में मदद मिलेगी कि देश की पूर्वी सीमा की सुरक्षा और प्रशासन कैसे किया जाता था।

पत्नी के लिए बेचा घर...खड़क कर दिया दुनिया का सबसे बड़ा फूलों का बाग

प्यार की अनूठी मिसाल, दुनिया कर रही है सलाम!



बंजर जमीन को बनाया फूलों की जन्मभू

दोनों (कपल) की पहली मुलाकात 1985 में हुई थी, जब झोउ एक ट्रेनी टूर गाइड थे। 15 साल तक चिट्ठियों के जरिए बातें करने के बाद दोनों ने आखिरकार शादी कर ली। तिब्बत ट्रिप के दौरान भयानक बर्फबारी में फंसे पर झोउ अपनी पत्नी को पीठ पर लादकर गुफा तक ले गए थे, जहां उन्होंने तीन दिन बिताए। पिछ जे मानती हैं कि ऐसे लाफत पार्टनर के साथ जिंदगी का हर लम्हा खुबसूरत हो जाता है। आज शादी के 35 साल बाद भी ये कपल अपने इस खुबसूरत बाग में पालतू डॉग्ज और खिल्लियों के साथ रहता है। कपल के बच्चे नहीं हैं। दोनों हर जन्मदिन और एनिवर्सरी पर एक-दूसरे को हाथ से लिखे खात देते हैं।

समुद्र में इंसानों ने बना दिया कचरे का ‘द्वीप’!

वाशिंगटन। प्रशांत महासागर में इंसानों कचरे का एक भयानक और बड़ा साम्राज्य तैयार हो गया है। हवाई और कैलिफोर्निया के बीच समुद्र की सतह पर 16 लाख वर्ग किलोमीटर में फैले प्लास्टिक के ढेर ने एक बड़े गाबज आइलैंड यानी कचरे के द्वीप का रूप ले लिया है। फ्रांस से भी आकार में तीन गुना बड़े इस इलाके में तैर रहा प्लास्टिक का बड़ा भंडार अब समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। प्रशांत महासागर में क्षेत्र फैले इस कचरे को ग्रेट पैसिफिक गाबेंज पैच या प्लास्टिक का द्वीप कहा जा रहा है। साल 2018 के वैज्ञानिकों के रिसर्च के मुताबिक, यह क्षेत्र करीब 1.6 मिलियन यानी 16 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। यह इलाका ब्राजील के पारा राज्य से 28 प्रतिशत दूरी है और फ्रांस के कुल क्षेत्रफल से करीब तीन गुना ज्यादा है। हालांकि, यह कोई ठोस जमीन या महाद्वीप नहीं है, बल्कि पानी की सतह पर तैरता हुआ कचरा है। इसमें प्लास्टिक के जाल, रिसियां, डिब्बे और भारी मात्रा में झोटे प्लास्टिक शामिल हैं।

फ्रांस से भी 3 गुना बड़ा है आकार, अब 700 प्रजातियों के लिए मंडरा रहा बड़ा खतरा



कचरे का वजन और आकार

इस क्षेत्र में अनुमानित 1.8 खरब प्लास्टिक के टुकड़े मौजूद हैं, जिनका कुल वजन लगभग 79 हजार टन है। कुल कचरे के वजन का कम से कम 46 प्रतिशत हिस्सा मछली पकड़ने वाले पुराने जालों का है। साल 2022 में हुई एक रिसर्च के अनुसार, 5 सेंटीमीटर से बड़े प्लास्टिक सामानों में 75 से 86 प्रतिशत हिस्सा छोड़े गए या खोए हुए मछली पकड़ने के उपकरणों का है।